विषय-सूची

1. **प्रारम्भिक जीवन** 19
बाबर बादशाह–हुमायूँ का बाल्य-काल–शिक्षा–शासन तथा सैनिक शिक्षा–भारत पर आक्रमण–पानीपत के युद्ध में–आगरा में– पूर्वी क्षेत्र में अभियान– खानवा का युद्ध–दिल्ली के कोष की लूट–बदख़्शाँ में–हुमायूँ का आगरा आगमन–हुमायूँ की अनुपस्थिति में बदख़्शाँ–बदख़्शाँ से भारत लौटने की समस्या–हुमायूँ की बीमारी–बाबर ने अपना जीवन अर्पित क्यों किया? उत्तराधिकारी–कालिंजर पर आक्रमण–बाबर की मृत्यु–बाबर की मृत्यु का कारण।

2. **ख़लीफ़ा का षड्यंत्र** 38
बाबर की मृत्यु के समय हुमायूँ कहाँ था? षड्यंत्र–षड्यंत्र का प्रणेता ख़लीफ़ा–हुमायूँ का प्रतिद्वंद्वी महदी ख़्वाजा-ख़लीफ़ा के निर्णय के कारण–बाबर की इच्छा–षड्यंत्र का प्रारम्भ कैसे हुआ–षड्यंत्र का प्रारम्भ तथा अन्त–हुमायूँ के शासन-काल में महदी ख़्वाजा तथा ख़लीफ़ा–षड्यंत्र की असफलता के कारण।

3. **हुमायूँ की समस्याएँ** 65
हुमायूँ की आंतरिक समस्याएँ–मुग़ल साम्राज्य–हुमायूँ के भाई–बाबर के संबंधी–हुमायूँ की बाह्य समस्याएँ तथा उत्तरी भारत की राजनीतिक अवस्था–1. गुजरात–2. अफ़गान–3. बंगाल–4. सिंध तथा मुल्तान–5. मालवा–6. ख़ानदेश–7. कश्मीर–8. राजपूताना–इन परिस्थितियों में कैसे व्यक्ति की आवश्यकता थी

4. **प्रारम्भिक घटनाएँ** 97
राज्यारोहण–राज्य का विभाजन–कालिंजर विजय–अफ़गानों से प्रथम संघर्ष–चुनार के दुर्ग पर आक्रमण–ग्वालियर यात्रा–माहम बेगम की मृत्यु–दीन पनाह–जश्न तथा दावतें–मुहम्मद ज़मान मिर्ज़ा का विद्रोह।

5. **ब्रहादुर शाह तथा मुग़ल सम्राट** 119

बहादुर शाह द्वारा रायसीन विजय–बहादुर शाह द्वारा चित्तौड़ का प्रथम घेरा–बहादुर शाह के दरबार में मुग़ल साम्राज्य के शरणार्थी–हुमायूँ तथा बहादुर शाह का कूटनीतिक संबंध–बहादुर शाह की महान योजना–हुमायूँ और बहादुर शाह में पत्र-व्हवहार–कूटनीतिक पत्रों का महत्त्व।

6. **गुजरात अभियान : जय तथा पराजय** 135

बहादुर शाह द्वारा चित्तौड़ का दूसरा घेरा–सारंगपुर तथा उज्जैन में हुमायूँ–चित्तौड़ का पतन–मंदसौर–बहादुर शाह के भागने के कारण–बहादुर शाह की सेना का पलायन–मांडू–चंपानीर गवार–तथा कोली जातियों का आक्रमण–कैंबे की लूट चंपानीर दुर्ग की विजय–कुछ मुग़ल सैनिकों की दक्षिण-विजय की योजना–चंपानीर विजय की प्रतिक्रिया–इमादुल मुल्क की पराजय–गुजरात का शासन प्रबंध–हुमायूँ की अनुपस्थिति में उसके उत्तरी साम्राज्य की स्थिति–गुजरात से मांडू–गुजरात में मुक्ति आंदोलन–मुगलों की स्थिति–अस्करी की दावत–बहादुर शाह से संघर्ष–हुमायूँ का आगरा वापस लौटना–तरदी बेग के व्यवहार की समीक्षा–मुग़लों के गुजरात से पलायन के कारण–बहादुर शाह की मृत्यु–बहादुर शाह का चरित्र तथा उसकी पराजय–बहादुर शाह की मृत्यु के पश्चात् गुजरात–हुमायूँ के गुजरात अभियान के समय उसका साम्राज्य।

7. **शेर ख़ाँ से संघर्ष** 181

हुमायूँ के आगरा रुकने के कारण–शेर ख़ाँ की गतिविधि–बंगाल अभियान–मुहम्मद ज़मान मिर्ज़ा का समर्पण–चुनार का घेरा–चुनार पर अधिकार–रोहतास दुर्ग पर शेर ख़ाँ का अधिकार–बनारस विजय तथा शेर ख़ाँ से संधि वार्ता–हुमायूँ का बंगाल में प्रवेश–हुमायूँ का बंगाल निवास–हुमायूँ के बंगाल निवास के कारण–बंगाल अभियान का परिणाम–बंगाल से वापसी–चौसा का युद्ध–चौसा के युद्ध का परिणाम–चौसा के युद्ध में हुमायूँ की पराजय के कारण–चौसा से आगरा–आगरे में–निज़ाम भिश्ती–विचार-विमर्श–चौसा के युद्ध के बाद शेर ख़ाँ की गतिविधि–हुमायूँ का आगरे से प्रस्थान–कन्नौज का युद्ध–कन्नौज के पश्चात् युद्ध से पलायन–कन्नौज के युद्ध का परिणाम–हुमायूँ की पराजय के कारण।

8. **निष्कासन–पंजाब तथा सिंध में** 232

आगरा से लाहौर–लाहौर में एकता का प्रयत्न–शेरशाह से संधि-वार्ता–लाहौर से विदाई–उच्च में–सिंध में–हमीदा बानो से

विवाह–हिन्दाल का पलायन–अबुल बक़ा की मृत्यु–सेहवान पर आक्रमण–मालदेव तथा हुमायूँ–मालदेव का निमंत्रण–हुमायूँ की जोधपुर यात्रा–शेरशाह तथा मालदेव–हुमायूँ की जोधपुर से वापसी–क्या मालदेव विश्वासघाती था–अमरकोट में–अकबर की जन्म-तिथि–काबुल तथा बदख़्शाँ की स्थिति–सिंध में अंतिम दिन–बैरम ख़ाँ का आगमन–शाह हुसेन से अंतिम संघर्ष–सिंध से विदाई–सिंध से ईरान।

9 **ईरान यात्रा तथा भाइयों से संघर्ष** 276

हिरात में–हिरात से कज़वीन–शाह तहमास्प से मुलाकात–शाह से मतभेद–मतभेद के कारण–दोनों शासकों में समझौता–शाह से विदाई–क्या हुमायूँ ने शिआ मत स्वीकार किया–ईरान निवास के समय हुमायूँ के प्रमुख सहयोगी–ईरान से विदाई–कंधार विजय–कंधार का दुर्ग–बैरम ख़ाँ की काबुलयात्रा–क़ंधार पर अधिकार–क्या हुमायूँ ने विश्वासघात किया–हुमायूँ के ईरान निवास का महत्त्व तथा परिणाम–काबुल की प्रथम विजय–बदख़्शाँ विजय–यादगार नासिर का अन्त–बदख़्शाँ अभियान–काबुल पर कामरान का पुनः अधिकार–हुमायूँ का काबुल पर दूसरी बार अधिकार–कामरान का पलायन तथा हुमायूँ से संघर्ष–संधि तथा मिलन–एकता का प्रभाव–बल्ख़ अभियान–बदख़्शाँ से वापसी–कामरान का विद्रोह–किबचाक़ का युद्ध–कामरान का तीसरी बार काबुल पर अधिकार–पारस्परिक सहयोग के लिए शपथ-ग्रहण–हुमायूँ का काबुल पर तीसरी बार अधिकार–अस्करी का निर्वासन–इस्लाम शाह के दरबार में कामरान–कामरान का अन्त–हिन्दाल की मृत्यु–कामरान के चरित्र का सिंहावलोकन–कामरान का दण्ड तथा हुमायूँ–कश्मीर विजय पर विचार तथा काबुल वापसी।

10. **द्वितीय राजत्व तथा मृत्यु** 359

हुमायूँ के प्रति शेरशाह की नीति–हुमायूँ तथा इस्लाम शाह–सूर साम्राज्य का विघटन–1555 ई. में उत्तरी भारत की राजनीतिक अवस्था–भारतीय अभियान–हुमायूँ का काबुल से प्रस्थान–माछीवारा का युद्ध–माछीवारा के युद्ध का परिणाम–सरहिंद का युद्ध–अफ़गानों की पराजय के कारण–दिल्ली पर अधिकार–द्वितीय राजत्व–नियुक्तियां तथा जागीर-वितरण–हिसार पर अधिकार–कम्बर दीवाना की हत्या–ग़ाज़ी ख़ाँ की हत्या–मिर्ज़ा सुलेमान द्वारा अन्दराब पर अधिकार–सिकन्दर सूर तथा पंजाब की समस्या–हुमायूँ की मृत्यु।

11. **सिंहावलोकन** 259

साम्राज्य तथा शासन—सम्राट—सम्राज्य—साम्राज्य का राजनीतिक विभाजन—वज़ीर—लगान संबंधी सुधार—दरबार के नए नियम तथा उत्सव—आविष्कार तथा नई योजनाएँ—अमीरों तथा राजसी कर्मचारियों का तीन श्रेणियों में विभाजन—सम्राट तथा कर्मचारियों की बारह श्रेणियाँ—शासन के चार विभाग—सात मजलिसों का आयोजन—नक़्क़ारे बजाने का नियम—न्याय का तबला (तबल-ए-आदिल)—आनंद मंगल का कालीन (बिसात-ए-निशात)—शीशे के विशेष चषक—ताज़े इज़्ज़त—विशेष कोट तथा प्रत्येक दिन के लिए विशेष रंग के वस्त्र—नौकाओं का चमत्कार—विचित्र ख़ेमे—हुमायूँ से संबंधित स्मारक—हुमायूँ का मक़बरा—मुग़ल चित्रकला तथा हुमायूँ—विद्या प्रेम तथा साहित्यिक रुचि—हुमायूँ के धार्मिक विचार—सैनिक योग्यता—हुमायूँ की पत्नियाँ—व्यक्तित्व तथा स्वभाव—चारित्रिक दोष—इतिहास में स्थान।

12. **प्रमुख समकालीन सहायक ग्रंथ** 394

13. **प्रमुख सहायक ग्रंथों की सूची** 406

14. **अनुक्रमणिका** 414

15. **चौसा के युद्ध के पूर्व सेनाओं की स्थिति का मानचित्र** 202

16. **चौसा के समय सेनाओं की गतिविधि का मानचित्र** 203

17. **कन्नौज के युद्ध के पूर्व सेनाओं की स्थिति का मानचित्र** 215

18. **कन्नौज के समय सेनाओं का गतिविधि का मानचित्र** 216

19. **हुमायूँ के मकबरे का चित्र** 372